यातायातः देश की सबसे लंबी 33.5 किलोमीटर अंडरग्राउंड मेट्रो का तेजी से हो रहा काम, आसान होगा सफर

20.52 किमी कंपन मुक्त ट्रैक तैयार, आरे-बीकेसी मेट्रो दिसंबर से चलेगी

- मार्ग पर 27 स्टेशन होंगे
- 30,000 करोड़ रु. परियोजना की अनुमानित लागत, समय पर पूरा करने का लक्ष्य

सुजीत गुप्ता | मुंबई

देश की सबसे लंबी अंडरग्राउंड मेट्रो-3 कुलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच दौड़ेगी। 33.5 किमी.लंबे इस रूट पर हाई टेक पटरियां बिछाई जा रहीं हैं, जो खास तौर पर जापान से मंगाई गई हैं। अब तक 20.52 किलोमीटर (किमी) हाई टेक कंपन मुक्त ट्रैक तैयार हो चुका है। देश में पहली बार इस तरह के ट्रैक का इस्तेमाल किया जा रहा है ताकि मेट्रो सेवा के संचालन के दौरान कंपन की समस्या न आए। आरे-बीकेसी के बीच अंडरग्राउंड मेट्रो के पहले चरण का काम तीन चरणों में-पैकेज 5,पैकेज 6 और पैकेज 7 के तहत किया जा रहा है। इसमें भूमिगत सुरंग का काम पूरा हो चुका है, पटरियां बिछाने का काम प्रगति पर है। पहले चरण के अंतर्गत आरे-बीकेसी के बीच इसी साल दिसंबर तक मेट्रो परिचालन शुरु करने की योजना है।

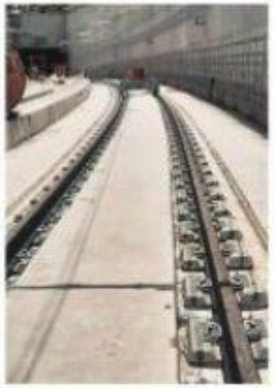

मेट्रो-3 रेल लाइन की खासियत

» हाई अटेन्यूएशन ट्विन ब्लॉक स्लीपर लगाए जा रहे।
» आस-पास कंपन की तीव्रता कम होगी।
» मेट्रो का परिचालन सुचारु रूप से संभव होगा।
» इस तकनीक का भारत में पहली बार इस्तेमाल।

पहला चरण

- 24.52 किमी (अप-डाउन) का आरे-बीकेसी के बीच पहला चरण
- 10 स्टेशन पहले चरण के अंतर्गत
- 20.52 किमी ट्रैक तैयार

आरे से बीकेसी

- **पैकेज- 5:** 4 मेट्रो स्टेशन-बीकेसी, विद्यानगरी, सांताक्रुज और डोमेस्टिक एयरपोर्ट
- 7.6 किमी ट्रैक बिछाने का चल रहा है काम
- 5.7 किमी का ट्रैक तैयार
- **पैकेज-6:** 4 मेट्रो स्टेशन-छत्रपति शिवाजी महाराज डोमेस्टिक एयरपोर्ट, छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट और सहार रोड मेट्रो स्टेशन
- 8.39 किमी ट्रैक बिछाने का काम जारी
- 6.29 किमी का ट्रैक बिछ कर तैयार 75.3 फीसदी ट्रैक बिछ कर तैयार
- **पैकेज-7:** 5 मेट्रो स्टेशन-सहार रोड, मरोल नाका, एमआईडीसी, सीप्ज और आरे मेट्रो स्टेशन
- 8.53 किमी ट्रैक बिछाने का काम शत प्रतिशत पूरा

मेट्रो-3 के लिए जिस हाई अटेन्यूएशन ट्विन ब्लॉक स्लीपर का इस्तेमाल किया जा रहा है, उसकी खासियत यह है कि ट्रेन परिचालन के दौरान 5 से 10 डेसिबल कंपन जमीन में कम होगा।
– **सुबोध जैन,** मेट्रो रेल इंजीनियर व एक्सपर्ट

ट्रैक बिछाने का काम तेजी से हो रहा है। अब तक 60 प्रतिशत ट्रैक बन चुका है। हम समय से पहले इसे पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं।
– **सुबोध गुप्ता,** डायरेक्टर-प्रोजेक्ट, एमएमआरसी

epaper-bhaskarhindi-com.w16-demo.readwhere.com